B.A. Political Science (Fifth Semester) Examination, 2013
(July to November)
Paper: xi (Western Political Thought (Part-1))
Paper Code: AS-2701

Model Answer Key

Section - A

Question No- 1:

(i) - सुकरात

(ii) - सन्त ऑगस्टाइन

(iii) - B - निरंकुशतन्त्र

(iv) - C - पोप गिलेशियस प्रथम

(v) - मार्सीलियो ऑफ पेडुआ

(vi) - C - ग्लॉकान

(vii) - D - राज्य एक प्राकृतिक संस्था है

(viii) - A - डनिंग

(ix) - जीन बोदाँ

(x) - प्लेटो

Section – B

Ans. No. 2 : मैकियावेली का धर्म और नैतिकता संबंधी विचार

- मैकियावेली द्वारा सर्वप्रथम राजनीति को धर्म एवं नैतिकता से पृथक करने के सिद्धान्त का प्रतिपादन
- मैकियावेली की धर्म – निरपेक्षता
- मैकियावेली के अनुसार नैतिकता – व्यक्तिगत नैतिकता
  – जन नैतिकता

मैकियावेली द्वारा धर्म और नैतिकता से राजनीति को पृथक करने के कारण –

(i) – यूनानी दार्शनिकों की तरह राज्य को सर्वोच्च और सर्वश्रेष्ठ संगठन मानना

(ii) – मैकियावेली का यथार्थवादी दृष्टिकोण

(iii) – मानव प्रकृति के संबंध में विशिष्ट धारणा

(iv) – शक्ति को और वीर पुरुषों को अत्यधिक महत्व देना

– निष्कर्ष : — — —

Ans. No. 3 : प्लेटो का राज्य संबंधी विचार :-

- संक्षिप्त परिचय
- प्लेटो द्वारा उसके ग्रन्थ 'रिपब्लिक' में राज्य की विवेचना
- प्लेटो के अनुसार राज्य की विशेषताएं –

(i) – राज्य की आधारशिला परिवार है।

(ii) – राज्य पर सर्वोच्च शक्ति का शासन।

(iii) – राज्य पर विवेक का शासन

(iv) – राज्य न केवल परिवारों का ही अपितु उनकी सामान्य सम्पत्ति का भी समुदाय है

– निष्कर्ष — — — —

Ans. No. 4 :- मध्ययुगीन राजनीतिक चिंतन की मुख्य विशेषताएं –

- मध्य युग का संक्षिप्त परिचय
- मध्ययुगीन राजनीतिक चिन्तन की विशेषताएं

(i) – सार्वभौमवाद

(ii) – धर्म की सर्वोपरिता

(iii) – राजतन्त्रात्मक सरकार की प्रधानता

(iv) – राजसत्ता पर प्रतिबन्ध

(v) – समाज का ग्राम्यीकरण तथा केन्द्रीय सत्ता का अभाव

(vi) – लोक सत्ता का विचार

(vii) – सामूहिक जीवन की प्रवृत्ति

(viii) – निगम संबंधी सिद्धान्त

(ix) – प्रतिनिधि शासन प्रणाली का सिद्धान्त

Ques No-5: अरस्तू के अनुसार संविधानों का वर्गीकरण:

- संविधान का अर्थ
- संविधानों का वर्गीकरण

संविधान का रूप या शासकों की संख्या	सामान्य राज्य जो सार्वजनिक कल्याण की चेष्टा करते हैं	भ्रष्ट रूप जो सार्वजनिक कल्याण की उपेक्षा करते हैं
एक व्यक्ति का शासन	राजतन्त्र (Monarchy	निरंकुशतन्त्र (Tyranny)
कुछ व्यक्तियों का शासन	कुलीनतन्त्र (Aristocracy)	अल्पतन्त्र (Oligarchy)
अनेक व्यक्तियों का शासन	संयुक्त लोकतन्त्र (Polity)	लोकतन्त्र (Democracy)

- राज्यों का परिवर्तन चक्र

Ques No-6 प्लेटो का न्याय सिद्धान्त

- प्लेटो द्वारा अपने समकालीन न्याय सिद्धान्तों की आलोचना - -
- प्लेटो द्वारा रिपब्लिक में न्याय सिद्धान्त की विवेचना - -
- प्लेटो के न्याय सिद्धान्त की विशेषताएं —
  (i) न्याय बाह्य जगत की वस्तु न होकर आन्तरिक स्थिति है।
  (ii) न्याय अहस्तक्षेप के सिद्धान्त से भिन्न है।
  (iii) प्लेटो का न्याय कार्य-विशेषीकरण का सिद्धान्त है।
  (iv) आदर्श राज्य में न्याय की स्थापना दार्शनिक शासक द्वारा
  (v) राज्य एक नैतिक इकाई है।
- प्लेटो के न्याय सिद्धान्त की आलोचना - - -

Ques No-7: कानून पर एक्वीनास के विचार:

- संक्षिप्त परिचय
- एक्वीनास के अनुसार कानून क्या है? - - -
- एक्वीनास के अनुसार कानून की चार श्रेणियाँ हैं - -
  (i) शाश्वत कानून
  (ii) प्राकृतिक कानून
  (iii) दैवीय कानून
  (iv) मानवीय कानून — राष्ट्रों के कानून, नागरिकों के कानून

Ques. No – 8 : पुनर्जागरण के कारण

- पुनर्जागरण : अर्थ एवं परिभाषा
- पुनर्जागरण की पृष्ठभूमि
- पुनर्जागरण के कारण : — (i) सामन्तवाद
  - (ii) – चर्च
  - (iii) – प्राचीन साहित्य का अध्ययन
  - (iv) – धर्म युद्ध
  - (v) – व्यापारिक प्रसार और विदेशों से सम्पर्क
  - (vi) – साहित्यकारों और विद्वानों की भूमिका
  - (vii) – छापेखाने का आविष्कार
  - (viii) – मानववाद का प्रचार
  - (ix) – वैज्ञानिक आविष्कार

Ques. No – 9 : "अरस्तू राजनीति विज्ञान के जनक के रूप में"

– अरस्तू को निम्नलिखित कारणों के आधार पर राजनीति विज्ञान का जनक कहा जा सकता है – –

(i) – विषय के प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण
(ii) – राजनीति विज्ञान को स्वतन्त्र विज्ञान का रूप प्रदान करना
(iii) – यथार्थवादी विचारक
(iv) · वैज्ञानिक पद्धति : आगमनात्मक और तुलनात्मक
(v) – राज्य के पूर्ण सिद्धान्त का क्रमबद्ध निरूपण
(vi) – सरकार के अंगों का निरूपण
(vii) – कानून की सर्वोच्चता का प्रतिपादन
(viii) – लोक कल्याणकारी राज्य के सिद्धान्त का प्रतिपादन
(ix) – जनमत की न्यायशीलता के सिद्धान्त का प्रतिपादन

– : निष्कर्ष – – – – – – .